# 'ना वेतन-भत्ते का आदेश निकाला, ना दर्जा दिया, फिर विपक्ष क्यों मुद्दा बना रहा है'

## मुख्यमंत्री के सलाहकार पद पर नियुक्ति को लेकर उपजे विवाद के बीच बोले अशोक गहलोत

- महंगाई के खिलाफ 12 दिसंबर को हजारों कांग्रेस जन जाएंगे दिल्ली रैली में
- उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन कर रहे राजस्थान के बेरोजगारों को लेकर कहा ''भाजपा इनको भड़का रही है''

**जयपुर**, (का.प्र.)। हाल ही में छह विधायकों के मुख्यमंत्री सलाहकार पद पर नियुक्ति को लेकर उपजे विवाद के बीच सीएम अशोक गहलोत ने स्पष्ट किया है कि हमने इस नियुक्ति के लिए अलग से वेतन भत्ते या सुविधाओं को लेकर कोई आदेश नहीं निकाला लेकिन विपक्ष ऐसा माहौल बना रहा है जैसे कोई जुर्म कर दिया हो। राज्य मंत्री बनाए गए राजेंद्र गुढ़ा के अब तक पद न संभालने पर गहलोत ने कहा कि मैं और पीसीसी अध्यक्ष उनसे बात करेंगे और कोई रास्ता निकाल लेंगे।

रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि मुख्यमंत्री सलाहकार नियुक्ति मामले में आरोप लगाने वाले यदि थोड़ा गहराई में जाते तो उन्हें समझ में आ जाता। सीएम गहलोत ने कहा कि हम भी सरकार चला रहे हैं तो कुछ जानकारी होगी ही लेकिन बिना मतलब के इस मामले को इश्यू बनाया जा रहा है।

पेट्रोल-डीजल सहित जरूरी चीजों के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी के खिलाफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से 12 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली रैली में राजस्थान से हजारों कांग्रेसजन जाएंगे। बढ़ती महंगाई को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्र की नीतियों को इसके लिए जिम्मेदार बताया।

पीसीसी मुख्यालय पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों को संघवाद के खिलाफ बताते हुए कहा कि केंद्र की नीतियों के कारण ही आज राज्य कमजोर हो रहे हो। गहलोत ने कहा पांच राज्यों में चुनाव हैं, इस वजह से कंपनियां पेट्रोल-डीजल के दाम अब रोजाना नहीं बढ़ा रही हैं, लेकिन केंद्र सरकार चाहे तो यह काम आगे भी जारी रह सकता है। गहलोत ने यह भी कहा कि अब तक एक्साइज ड्यूटी का पैसा सभी राज्यों के हिस्से में आता था, उसमें भी केंद्र सरकार की नीतियों के कारण राज्यों को नुकसान हो रहा है। आलम यह है कि जो स्पेशल एक्साइज ड्यूटी और एडिशनल एक्साइज ड्यूटी लगाई गई है उसमें भी राज्यों को हिस्सा नहीं दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि केंद्र सरकार कम से कम 10 रुपये पेट्रोल पर और 15 रुपये डीजल पर कम करे। गहलोत ने कह कि केंद्र सरकार साल 2022 तक जो जीएसटी का पुनर्भरण कर रही थी उसे साल 2027 तक आगे बढ़ाए। साथ ही राजस्थान को बकाया 5900 करोड़ रुपये जीएसटी पुनर्भरण का भुगतान जल्द करे।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि बीते 7 सालों में महंगाई आसमान छूने लगी है और पेट्रोल-डीजल से लेकर खाने-पीने की चीजें तक महंगी हुई हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने इसे रोकने का कोई प्रयास नहीं किया इस दौरान यूपीए सरकार के कार्यकाल में पेट्रोल डीजल और खाद्य सामग्री की कीमतों की तुलना आज चल रही कीमतों से की।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे राजस्थान के बेरोजगारों को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यूनियनबाजी छोड़ परीक्षा की तैयारी करने की नसीहत दी है ताकि उनकी नौकरी लग सके। गहलोत ने कहा कि युवाओं को विपक्ष वाले भड़का रहे हैं जिसके चलते वे राजनीतिक दलों के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जो किसी भी दृष्टि से सही नहीं है। लखनऊ कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ पर भी उन्होंने निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि राजस्थान में सर्वाधिक रोजगार दिया गया है। एक लाख नौकरियां तो दी जा चुकी हैं और 75 हजार नौकरियां प्रक्रियाधीन हैं। ऐसे में जो युवा यूनियनबाजी में लगे हैं वो पढ़ाई पर ध्यान दें, ताकि उनकी नौकरियां लग सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जो नौकरियां राजस्थान में निकली हुई हैं, अधिकतर युवा तो उसकी तैयारी में लगे हैं लेकिन कुछ यूनियनबाजी में जुटे हैं। उनमें कुछ नेता तो ऐसे भी हैं जिनकी नौकरी लग भी जाए तो वह ज्वाइन नहीं करेंगे, क्योंकि वह नेतागिरी करके इलेक्शन में खड़ा होना चाहते हैं। चाहे बीजेपी और कांग्रेस उन्हें टिकट क्यों न दे दे। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि युवाओं को ऐसे लोगों से सचेत रहना चाहिए और उनकी बातों में नहीं आना चाहिए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह भी कहा कि इन युवाओं को भड़काने का काम विपक्ष के रूप में भाजपा कर रही है। राजस्थान में हुए उपचुनाव में भाजपा की जो दुर्गति हुई है, उसके बाद यहां के नेता केवल इसी मिशन पर जुटे हुए हैं कि किसी न किसी तरह पद पर बने रहें, क्योंकि आलाकमान हटा देगा और इसी के चलते युवाओं को भड़काने का काम चल रहा है।

# हाईटेंशन लाइन से प्रभावित भूखंड़ों के पट्टे देने की मांग

**जयपुर**। राजधानी के पृथ्वीराज नरग में हाइटेंशन लाइन से प्रभावित भूखंडों के पट्टों की मांग लगातार जारी है। रविवार को पृथ्वीराज नगर हाइटेंशन लाइन संघर्ष समिति ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास को ज्ञापन दिया।

समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जो 2015 में नए नियम बनाए गए हैं, उनसे पृथ्वीराज नगर को बाहर रखा जाए। क्योंकि यहां की कॉलोनियां 30 से 40 वर्ष पुरानी हैं। 60 फीट रोड पर पट्टे दिलवाने की मांग की। इस मौके पर अनिल माथुर, दिनेश राव, ओम प्रकाश जाखड़, नवीन श्रीवास्तव, चेतन धलवानी, हनुमान सिंह मौजूद रहे। गौरतलब है कि 2015 में नगरीय विकास विभाग ने एक अधिसूचना जारी की थी। इसमें 132 केवी और 220 केवी की हाइटेंशन लाइनों के नीचे 105 फीट और 120 फीट पर पट्टे जारी करने के निर्देश दिए है। इस वजह से पीआरएन में 20 हजार से अधिक भूखंडधारियों को पट्टे नहीं मिल पा रहे हैं।

# चाकू से गला रेतकर मजदूर की हत्या करने वाले तीन गिरफ्तार

- खाना बनाते समय गाली-गलौच करने पर साथी मजदूरों ने की थी हत्या
- वीकेआई पुलिस ने 24 घंटे में वारदात का खुलासा कर बदमाशों को पकड़ा

**जयपुर** (कासं)। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने मजदूर की हत्या का 24 घंटे में खुलासा कर उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है।

डीसीपी (वेस्ट) ऋचा तोमर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित लीलाराम मीणा (36), संतोष मीणा उर्फ संतराम (45) और गंगा लहरी (35) थाना प्रतापगढ़, थानागाजी (अलवर) के रहने वाले हैं। आरोपियों ने 26 नवंबर को अपने साथी मजदूर जयनारायण उर्फ जैनी मीणा की चाकू से गला काटकर नृशंश हत्या कर दी थी।

थानाधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि मृतक जयनारायण उर्फ जैनी और उसके साथी मजदूर लीलाराम मीणा, गंगालहरी उर्फ लहरी मीणा, संतोष उर्फ सतराम मीणा एक ही फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं। खाना बनाने की बात को लेकर अक्सर इनके बीच आपस में लडाई-झगड़ा होता रहता था। घटना के दिन भी मृतक जयनारायण का साथी मजदूरों से खाना बनाने, आटा लगाने की बात को लेकर आपस में झगडा हुआ था। मृतक ने खाना बनाने से इंकार कर दिया और साथी मजदूरों को गन्दी-गन्दी गलियां दी। इस पर साथी मजदूर आक्रोशित हो गए और जयनारायण मीणा को मारने का प्लान बनाया। जयनारायण मीणा लघुशंका के लिए गटर की तरफ जाने लगा तो दो मजदूरों ने जयनारायण को पकड़ लिया और तीसरे मजदूर ने चाकू से गला रेत दिया। काफी खून बहने से उसकी मौत हो गयी। आरोपी मजदूरों ने लाश को उठाकर दूसरी जगह पर फिर कमरे में लाकर फर्श पर लिटा दी। मौके से साक्ष्य मिटाने का प्रयास कर मौका पाकर घटनास्थल से फरार हो गए थे।

# सलाहकार के पदों पर नियुक्ति के असंवैधानिक फैसले के बाद मुख्यमंत्री को यू-टर्न लेना पड़ रहा है : राठौड़

- 'मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त सलाहकार केवल नाम मात्र के होंगे, सलाहकारों के पास लेटर पैड पर अपना नाम/पद अंकित करने के अलावा कोई अतिरिक्त शक्तियां नहीं होगी'
- 'राज्यपाल द्वारा राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगने के बाद अब सरकार संसदीय सचिवों की नियुक्ति करने का साहस नहीं जुटा पा रही है'

**जयपुर**। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा यह स्वीकारोक्ति करना कि सलाहकार एवं संसदीय सचिवों को राज्यमंत्री/कैबिनेट मंत्री का दर्जा नहीं दिया जा सकता है एवं सरकार ने इसके लिए कोई लिखित आदेश भी जारी नहीं किए हैं, इससे साबित होता है कि मुख्यमंत्री ने महज असंतुष्ट कांग्रेस व अन्य समर्थित विधायकों को खुश करने एवं अंतर्कलह से जूझती अपनी सरकार को बचाने के लिए सलाहकारों की नियुक्ति की है। वास्तविकता में नियुक्त सलाहकार महज सामान्य विधायक के कार्य के अतिरिक्त अन्य कोई कार्य करने में सक्षम नहीं होंगे।

राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 की धारा 5 (1) (सी) में दिए गए प्रावधानों का स्पष्टत: उल्लंघन कर रही है। इस धारा के प्रावधानों के अनुसार किसी भी व्यक्ति/अधिकारी को कोई अधिकार नहीं है कि वह राज्य से संबंधित गोपनीय सूचनाओं को बिना अधिकारिता के अपने पास रखे और जानबूझकर ऐसे निर्देशों का पालन करे जो उसकी अधिकारिता में नहीं हैं। धारा 5 (2) में स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि कोई भी व्यक्ति/अधिकारी ऐसी गोपनीय सूचना को अपने पास रखता है जिसकी उसकी कोई अधिकारिता नहीं है तो वह इस अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी माना जाएगा। ऐसे दोषी व्यक्ति/अधिकारी को 3 साल का कारावास या जुर्माना या दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा स्वीकारोक्ति करने के बाद यह सिद्ध हो गया है कि उनके द्वारा नियुक्त सलाहकार के पास सरकार द्वारा कोई पत्रावली नहीं भेजी जा सकती है और ना ही उनकी सलाह पर कोई पत्रावली चलाई जा सकती है। यह महज विधायकों को खुश करने के लिए झुनझुना देना है। मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त सलाहकार केवल नाम मात्र के होंगे, सलाहकारों के पास लेटर पैड पर अपना नाम/पद अंकित करने के अलावा कोई अतिरिक्त शक्तियां नहीं होगी। सामान्य विधायक के अतिरेक इन सलाहकारों के पास कोई संवैधानिक अधिकार भी नहीं होंगे। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री सलाहकारों की असंवैधानिक नियुक्ति व संसदीय सचिवों की संभावित नियुक्ति को लेकर मैंने 22 नंवबर को राज्यपाल को पत्र लिखा था। इसके बाद राज्यपाल द्वारा राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगने के बाद से अब सरकार संसदीय सचिवों की नियुक्ति करने का साहस नहीं जुटा पा रही है। सलाहकार के पदों पर नियुक्ति के असंवैधानिक फैसले के बाद मुख्यमंत्री को यू-टर्न लेना पड़ रहा है और वह सलाहकारों को राज्यमंत्री/कैबिनेट मंत्री के स्तर की सुविधाओं के लिए लिखित आदेश भी जारी नहीं कर पा रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री की ऐसी क्या मजबूरी रही कि उन्हें मंत्रिमंडल पुनर्गठन के साथ ही 6 सलाहकारों की जरूरत पड़ गई और उन्हें सलाहकार के पद का झुनझुना पकड़वा दिया। मुख्यमंत्रीजी को बताना चाहिए कि क्या कांग्रेस विधायकों की पार्टी में सम्मानजनक स्थिति नहीं थी या फिर क्या विधायक का पद कम महत्वपूर्ण है? जो उन्हें सलाहकार जैसे पदों की रेवड़ियां बांटनी पड़ रही है।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री यह कह रहे हैं कि सलाहकारों की नियुक्तियों के मामले को लेकर विपक्ष बेवजह तूल दे रहा है और सरकार को तमाम कानूनों की पूरी जानकारी है। हकीकत तो यह है कि अगर सरकार को संवैधानिक प्रावधानों की पूरी जानकारी होती तो आज मुख्यमंत्रीजी को लोकतंत्र का उपहास करते हुए एवं आपसी कलह को शांत करने के लिए विधायकों को सलाहकार के पद पर नियुक्ति देने की जरूरत ही नहीं होती।

# गांधीजी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को सेन्ट्रल पार्क में बन रहे गांधी दर्शन म्यूजियम के कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और जेडीसी गौरव गोयल भी मौजूद थे।

**जयपुर**, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मुल्क में प्रेम, भाईचारा एवं सद्भाव कायम करने के लिए आज गांधीजी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि गांधी दर्शन एवं गांधीजी की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार जिला, ब्लॉक एवं गांव के स्तर तक हो।

गहलोत रविवार को सेन्ट्रल पार्क स्थित कनक भवन में आयोजित गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश में अलग से शांति एवं अहिंसा निदेशालय की स्थापना की है। राजस्थान पहला राज्य है जिसने गांधीजी के विचारों को आमजन तक पहुंचाने के लिए अलग से निदेशालय बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधीजी की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए प्रशासन एवं सामाजिक कार्यां में अपनी भूमिका निभाने के लिए युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से मुम्बई के टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइन्सेज तथा पुणे स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड स्कूल ऑफ गवर्नेंस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज पर प्रदेश में महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एण्ड सोशल साइंसेज की स्थापना की गई है। यहां गांधीजी से जुड़े शोध कार्य होंगे। उन्होंने गांधीजी के विचारों के प्रचार-प्रसार की दिशा में गांधी दर्शन समिति द्वारा किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

कार्यक्रम में पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एण्ड सोशल साइंसेज के निदेशक प्रो. बीएम शर्मा, शांति एवं अहिंसा निदेशालय के निदेशक मनीष शर्मा, समग्र सेवा संघ के अध्यक्ष सवाई सिंह, गांधी स्मारक निधि के सदस्य धर्मवीर कटेवा, वर्धा आश्रम से आए मुख्य प्रशिक्षक मनोज नागरे एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सेन्ट्रल पार्क में बन रहे गांधी दर्शन म्यूजियम के कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूरे करने के निर्देश दिए। जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त गौरव गोयल ने साइट प्लान के बारे में जानकारी दी। गहलोत ने वहां मौजूद कामगारों से बातचीत की और उन्हें मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के फायदों के बारे में जानकारी दी।

## जेकेके में पुस्तक प्रेमियों ने अपनी चुनौतियां और अनुभव साझा किए

**जयपुर**, (का.सं.)। जवाहर कला केंद्र (जेकेके) और जयपुर बुक लवर्स की ओर से रविवार को बुक्स विच हैव चैलेंजड/एक्सपैंडेड/चेंजड योर पर्सपेक्टिव विषय पर चर्चा करने और अपने विचारों को साझा करने के लिए जयपुर के पुस्तक प्रेमियों के लिए जेकेके लाइब्रेरी में मीट अप का आयोजन किया गया। इस आयोजन का संचालन वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट अजय असवाल, विवेक शर्मा और प्रशांत गुप्ता ने किया। इस सेशन में 14 वर्ष से 60 वर्ष की उम्र के करीब 25 लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में ब्यूरोक्रेट, नए लेखकों सहित स्कूली बच्चों ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

इस इंटरेक्टिव सेशन में प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय लेखकों की पुस्तकों जैसे कि युवाल नोआ हरारी की सेपियंस, सिद्धार्थ मुखर्जी की द जीन, द फाउंटेन हेड सहित कई अन्य पुस्तकों पर चर्चा की और अपने विचार रखे। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे उन्होंने पुस्तकें पढ़ ना शुरू किया।

## ठेकेदार ने महिला से किया दुष्कर्म

**जयपुर** (कासं)। भांकरोटा इलाके में एक ठेकेदार द्वारा महिला मजदूर से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार झोटवाड़ा इलाके निवासी 28 वर्षीया महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह 17 नवंबर को सिरसी में एक शादी में काम करने गई थी। महिला का आरोप है कि वापिसी में लौटते वक्त ठेकेदार मक्खन लाल ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस जांच में जुटी है।

# ''मन की बात'' कार्यक्रम देश के लोगों को जोड़ता है : डॉ. पूनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने जयपुर के करणी विहार मण्डल में बूथ नंबर 316 पर कार्यकर्ता के घर पर अन्य कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

- 'प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्ट-अप की अभिनव पहल से देश एवं प्रदेश के नौजवानों को जॉब क्रिएटर्स के रूप में नई दिशा दी'

**जयपुर**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने जयपुर के करणी विहार मण्डल में बूथ नंबर 316 पर कार्यकर्ता के घर कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

डॉ. पूनिया ने पार्टी के प्रदेशभर के सभी बूथ अध्यक्षों से आग्रह करते हुये कहा कि, मन की बात कार्यक्रम को सुनने में निरंतरता लाएं और मन की बात देश के लोगों को जोड़ता है और मकसद के लिए प्रेरित करता है।

डॉ. पूनिया ने कहा कि हमेशा की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम ने सबके मन को छुआ। जिस तरीके से प्रधानमंत्री ने कहा, मन की बात अब मकसद की बात होती जा रही है। खास तौर पर आयुष्मान भारत योजना की उपलब्धियां और मथुरा की सुखदेवी के मुख से जब आयुष्मान की अहमियत समझी, तो उस बात ने भावुक कर दिया कि किस तरीके से 40 वर्ष की उम्र में अनेक वर्ष बिस्तर पर बिताये, जिसके परिवार और जीवन को चुनौती थी, जीवन से उम्मीद छोड़ दी, ऐसे समय में आयुष्मान योजना उनके जीवन में रोशनी बनकर आई। इसी तरह आयुष्मान से लेकर तमाम कल्याणकारी योजनाएं देश के हर वर्ग को लाभान्वित कर रही हैं।

दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्ट-अप की अभिनव पहल से देश एवं प्रदेश के नौजवानों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया है, उनको जॉब क्रिएटर्स के रूप में नई दिशा दी है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

## कपड़ा चुराने वाले तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर** (कासं)। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कपड़ा चोरी करने वाली गैंग का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने उनके पास से चोरी के कपड़ों के कई थान सहित एक चोरी की बाइक बरामद की गई है। इसके अलावा चोरी में प्रयुक्त एक कार भी जब्त की गई है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी रायसल सिंह ने बताया कि कपड़ा चोरी करने वाली गैंग का खुलासा करते हुए शातिर बदमाश तेजसिंह धाकड़, राम धावड़ और संजय धाकड़ को गिरफ्तार किया है और तीनों ही हिंडौन सिटी जिला करौली हाल सांगानेर के रहने वाले है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के कपड़ों के कई थान सहित एक चोरी की बाइक बरामद की गई है। इसके अलावा चोरी में प्रयुक्त एक कार भी जब्त की गई है। आरोपितों ने सांगानेर सदर इलाके में भी दो फैक्ट्रियों से चोरी करना कबूला है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शातिर किस्म के नकबजन है वाहन चोर और बदमाश प्रवृति के हैं। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए करीब 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालें। टीम के हैड कांस्टेबल ईश्वर चंद की सूचना पर तीनों बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चोरी की बाइक और कार की नम्बर प्लेट खोलकर रात में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। फिलहाल पूछताछ की जा रही है।

## हड़ताल से बिगाड़ी जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था

**जयपुर** । शहर में हूपर संचालकों की पिछले तीन दिनों से चल रही हड़ताल खत्म हो गई है। अब सोमवार से एक बार फिर सफाई व्यवस्था पटरी पर आने की उम्मीद जताई जा रही है। तीन दिन की हड़ताल के चलते शहर में कचरे के ढेर लगे पड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक कि बकाया भुगतान की मांग को लेकर ये वेंडर्स हड़ताल पर थे। बीवीजी कंपनी के साथ कई बाद की वार्ता भी हुई, लेकिन अभी तक भुगतान नहीं होने से हूपर चालक काम पर नहीं लौटे। ग्रेटर निगम में 7 और हैरिटेज के दो जोन में काम बंद पड़ा था। निगम के हस्तक्षेप के बाद वेंडर्स को कंपनी ने समय पर भुगतान का आश्वासन दिया है। इस हड़ताल की वजह से शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे पड़े है। परकोटा क्षेत्र, जगतपुरा, सिविल लाइंस, मालवीय नगर समेत कई वीआईपी इलाकों में भी कचरा नहीं उठा है।

## मुख्यमंत्री ने महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

**जयपुर**, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को 22 गोदाम सर्किल स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

## आवेदन निरस्त नहीं करेंगे निकाय

**जयपुर**। प्रशासन शहरों के संग अभियान को लेकर स्वायत्त शासन विभाग फिर स्पष्टीकरण जारी किया है। विभाग ने साफ किया है कि दस्तावेजों के अभाव और गलत श्रेणी में आवेदन करने पर निकाय आवेदनों को निरस्त नहीं करेंगे। विभाग की ओर से जारी आदेशों में लिखा गया है कि निकायों में चल रहे निरीक्षण के बाद यह बात सामने आई है कि निकाय दस्तावेजों के अभाव में आवेदन निरस्त कर रहे हैं। कई जगहों पर जानकारी के अभाव में गलत श्रेणी में हो रहे आवेदनों को भी निरस्त किया जा रहा है।

# बैडमिंटन लीग में डॉक्टर्स की टीमों ने दिखाया दमखम

**जयपुर** (कासं)। एफ.एस.रियल्टी डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के तीसरे संस्करण के मैचों में कई टीमों ने दमखम दिखाया। वरिष्ठ वर्ग में न्यू लाइफ हॉस्पिटल ने जयपुर ब्रेन एंड स्पाइन को 3-2 से, उर्मिल हॉस्पिटल ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल को 3-2 से, श्री अंश हॉस्पिटल ने यूरो शूटर्स को 4-1 से, किड्स डेंटल ने अमृतम एंड टैगोर हॉस्पिटल को 3-2 से, फ्लो केअर ने मेडिहैल्थ को 4-0 से, रुंगटा हॉस्पिटल ने जयपुर ब्रेन एंड स्पाइन को 3-2 से, महात्मा गांधी ने अमृतम एंड टैगोर हॉस्पिटल को 5-0 से, श्री अंश हॉस्पिटल ने मेडिसपा रॉयल को 3-2 से हराया।

बॉयज वर्ग में जयपुर यूरोलॉजी ने बराला हॉस्पिटल को 3-2 से, शर्मा डायग्नोस्टिक ने प्रकाश हॉस्पिटल को 4-1 से, ए.आई.ओ.एस.एच ने प्रकाश हॉस्पिटल को 3-2 से, शर्मा डायग्नोस्टिक ने जयपुर यूरो को 3-2 से हराया। किड्स वर्ग में ज्योति जगुआर ने जयपुर गैस्ट्रो केअर को 5-0 से, आंच हॉस्पिटल ने जयपुर गैस्ट्रो को 3-2 से हराया। गर्ल्स कैटेगरी में ईएचसीसी ने पैथोस्कोप को 3-2 से, सिद्धार्थ डायग्नोस्टिक ने जुत्शी केअर वेल को 3-2 से हराया। लीग निदेशक डॉ.अनिल यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता करोना वारियर्स को समर्पित है। इसका समापन आगामी 5 दिसंबर को होगा।

# मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत रिपोर्ट बनाने के निर्देश

**जयपुर**, (का.सं.)। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने रविवार को श्रीरामचन्द्रजी मन्दिर, सिरह ड्योढ़ी बाजार में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रावत ने ऐसे अराजकीय मंदिर जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। उनके जीर्णोद्धार के लिए जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, नियमित पूजा से वंचित मंदिरों को ट्रस्टों, उद्योगों एवं मंदिरों में आस्था रखने वाले व्यक्तियों को गोद दिए जाने के लिए एक स्थाई नीति बनाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश का कोई भी मंदिर सेवा पूजा से वंचित नहीं रहना चाहिए।

शासन सचिव देवस्थान सीताराम भाले ने विभागीय नीतियों और उनकी क्रियान्विति से अवगत कराते हुए बताया कि विभाग की ओर से मंदिरों का नियमित निरीक्षण कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। इस अवसर पर आयुक्त करण सिंह, संयुक्त शासन सचिव अजय सिंह राठौड़, उपायुक्त सुनील मत्तड़ एवं सहायक आयुक्त आकाश रंजन और महेंद्र कुमार देवतवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।